मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

BSKC-132

बी. ए. (सामान्य) (बी.ए.जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2022

बी.एस.के.सी.-132 : संस्कृत गद्य साहित्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी प्रश्न* ***अनिवार्य*** *हैं।*

(ii) दिए गए निर्देशों के अनुसार प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड—क

1. अधोलिखित गद्यांशों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए— 2×20=40

(क) न हि तं पश्यामि यो ह्यपरिचितयानया न निर्भरमुपगूढः, यो वा न विप्रलब्धः। नियतमियमालेख्यगतापि चलति, पुस्तमय्यपीन्द्रजाल-

माचरति, उत्कीर्णापि विप्रलभते, श्रुताप्याभिसन्धत्ते, चिन्तितापि वञ्चयति। एवं विधयापि चानया दुराचारया कथमपि दैववशेन परिगृहीताः विक्लवा भवन्ति राजानः, सर्वाविनयाधिष्ठानतां च गच्छन्ति।

अथवा

जातुषाभरणानीव सोष्माणं न सहन्ते, दुष्टवारणा इव महामानस्तम्भनिश्चलीकृताः न गृहणन्ति उपदेशम्, तृष्णाविषमूर्च्छिताः कनकमयमिव सर्वं पश्यन्ति, इषव इव पानवर्धिततैक्षण्याः परिप्रेरिताः विनाशयन्ति, दूरस्थितान्यपि फलानीव दण्डनिक्षेपैः महाकुलानि शातयन्ति।

(ख) अरुण एष प्रकाशः पूर्वस्यां भगवतो मरीचिमालिनः। एष भगवान् मणिराकाशमण्डलस्य, चक्रवर्ती खेचर-चक्रस्य, कुण्डलमाखण्डलदिशः, दीपको ब्रह्माण्डभाण्डस्य, प्रेयान् पुण्डरीकपटलस्य, शोक-विमोकः कोक-लोकस्य, अवलम्बो रोलम्बकदम्बस्य, सूत्रधारः सर्वव्यवहारस्य, इनश्च दिनस्य।

अथवा

यद्येवं न स्वीकरोषि तद् गृहाणास्मतोऽन्यदपि सुवर्णकोटिद्वयम्, त्रायस्व, मैनां भगवन् मूर्तिम् स्प्राक्षीः इति साम्रेडं कथयत्सु रुदत्सु पतत्सु विलुण्ठत्सु प्रणमत्सु च पूजकवर्गेषुः "नाहं मूर्तिर्विक्रीणामि, किन्तु भिनदिम्" इति सङ्गर्ज्य जनताया हाहाकार-कलकलमाकर्णयन् घोगदया मूर्तिमतुत्रुटत्।

खण्ड—ख

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग **1000** शब्दों में लिखिए। 2×15=30

2. गद्यकाव्य का विकास किस प्रकार हुआ ? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

आचार्य विश्वेश्वर का परिचय लिखिए।

3. पंचतन्त्र के प्रतिपाद्य विषय पर सविस्तार निबन्ध लिखिए।

अथवा

भारत पर सर्वप्रथम किसने आक्रमण किया ? सविस्तार लिखिए।

खण्ड—ग

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में दीजिए। 5×6=30

4. 'दण्डिनः पदलालित्यम्' इस कथन की विवेचना कीजिए।
5. हृषीकेश भट्टाचार्य के शैलीगत वैशिष्ट्य पर टिप्पणी लिखिए।
6. पुण्डरीक की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
7. हितोपदेश के वर्ण्य विषय पर टिप्पणी लिखिए।
8. रघुवीर सिंह का चरित्र-चित्रण कीजिए।
9. गौर-बटु और श्याम-बटु के शारीरिक सौष्ठव का वर्णन कीजिए।
10. 'दशकुमारचरित' के प्रतिपाद्य विषय पर प्रकाश डालिए।